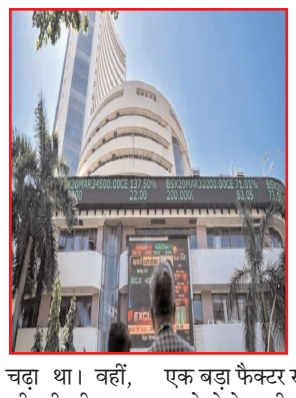
उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है शेयर बाजार में



मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार की दिशा तय करने में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे अहम भूमिका निभाएंगे। बाजार के जानकारों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री, अमेरिका के मध्यावधि चुनाव और आर्थिक आंकड़ों का भी बाजार पर असर पड़ सकता है। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिली थी। बीएसई सेंसेक्स 1,335.7 अंक यानी 1.82 फीसदी चढ़ा था। वहीं, एनएसई निफ्टी में 453.1 अंक यानी 2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई थी। अब निवेशकों की नजर इस बात पर रहेगी कि बाजार की यह तेजी आगे भी जारी रहती है या नहीं। रेलिगेयर ब्रोकिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस हफ्ते बाजार की नजर सितंबर तिमाही के नतीजों, अहम आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक घटनाओं पर रहेगी। निवेशक यह देखेंगे कि कंपनियों की कमाई कितनी बढ़ रही है, उनके मार्जिन पर कितना दबाव है और बाजार में सामान और सेवाओं की मांग कैसी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बैंकों के नतीजों से पता चलेगा कि लोन की मांग कितनी बढ़ रही है, बैंकों में डिपॉजिट की स्थिति कैसी है और फंसे हुए कर्ज में कितना बदलाव आया है। वहीं, ऑटो, कंज्यूमर और इंडस्ट्रियल कंपनियों के नतीजों से देश में मांग की स्थिति का अंदाजा मिलेगा। अजीत मिश्रा के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतें बाजार के लिए एक बड़ा फैक्टर रहेंगी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में और तेजी आती है तो भारत में महंगाई बढ़ने का खतरा रहेगा। इससे रुपये पर दबाव पड़ सकता है और कंपनियों की लागत भी बढ़ सकती है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर देखने को मिल सकता है। इसके अलावा अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार को प्रभावित करेगी।

वीवो ने लांच किया कैम्पेन

नई दिल्ली। वीवो इंडिया ने अपना नया दिवाली कैंपेन जॉय ऑफ होम कमिंग लॉन्च किया है। यह कैंपेन दिखाता है कि कैसे परिवार की प्यारी परंपराएं और शेयर की गई यादें अपनों को करीब लाती हैं, भले ही ज़दिगी और जश्न मनाने के तरीके बदल रहे हों। वीवो इंडिया के चीफ कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस ऑफिसर, गीताज चन्नाना ने कहा हर साल जॉय ऑफ होम कमिंग के ज़रिए हम उन रिश्तों और परंपराओं का जश्न मनाते हैं, जो दिवाली और घर वापसी के सफर को इतना खास बनाते हैं।

इंडस ऐपस्टोर बना फ़ोनपे ऐपस्टोर

नई दिल्ली। फ़ोनपे ने आज अपने स्वदेशी ऐप मार्केटप्लेस इंडस मार्केटप्लेस का नाम बदलकर फ़ोनपे ऐपस्टोर करने की घोषणा की। पूरे भारत में व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले इस प्लेटफ़ॉर्म के यूज़र बेस में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना शीर्ष पाँच स्थान पर हैं। सोशल, एक्शन और सिमुलेशन गेम्स इस प्लेटफ़ॉर्म की सबसे पसंदीदा कैटेगरीज़ हैं। मोबाइल कंपनियों साथ पार्टनरशिप की बदौलत आज यह 20 करोड़ से भी अधिक डिवाइसेज़ तक पहुँच चुका है।

टॉप 10 स्टूडेंट इनोवेशन सम्मानित

नई दिल्ली। वीवो इंडिया ने घोषणा की कि गुजरात के सूरत स्थित आरएमजी माहेश्वरी इंग्लिश स्कूल के ध्येय शाह वीवो इग्नाइट 2026 के राष्ट्रीय विजेता बने हैं। यह वीवो की एक राष्ट्रव्यापी टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पहल है, जो 8वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित की जाती है और यह इसका चौथा संस्करण है। उनके प्रोजेक्ट जलाकर - द शेप ऑफ वॉटर- प्रेडिक्ट, अलर्ट, एंड एक्ट में मशीन-लर्निंग तकनीकों और भूजल से जुड़े पुराने डेटा का उपयोग किया गया है। इसके जरिए भूजल की उपलब्धता का अनुमान लगाया जा सकता है।

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार से 34,843 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयरों से 34,843 करोड़ रुपये की निकासी की है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशकों ने बड़े पैमाने पर भारतीय बाजार से पैसा निकाला है। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में विदेशी निवेशक फिर से लिवाल बने और उन्होंने 26 से 30 अक्टूबर के दौरान करीब 6,300 करोड़ रुपये का निवेश किया। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अक्टूबर की निकासी के बाद 2026 में अबतक भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 2.95 लाख करोड़ रुपये हो गई है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर के अंतिम कारोबारी सत्रों में विदेशी निवेशकों की खरीदारी से निकट अवधि में निवेश धारणा में सुधार के संकेत मिले हैं, लेकिन केवल एक सप्ताह की खरीदारी को विदेशी पूंजी की वापसी का स्थायी संकेत नहीं माना जा सकता। मीरा मनी के सह-संस्थापक आनंद के. राठी के अनुसार, अक्टूबर के दौरान विदेशी निवेशकों की बिकवाली का प्रमुख कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर चिंता और कंपनियों के तिमाही नतीजों की संभावनाएं रहीं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत में महंगाई बढ़ाने के साथ कंपनियों के मुनाफे पर भी दबाव डाल सकती हैं। वहीं, अमेरिका में आकर्षक बॉण्ड प्रतिफल वैश्विक निवेशकों को वहां निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। राठी के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की खरीदारी आगे भी जारी रहेगी या नहीं, यह काफी हद तक वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों और कंपनियों के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली को संभालने और बाजार को स्थिरता देने में अहम भूमिका निभाई है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा कि अक्टूबर के अंतिम चार कारोबारी सत्रों में से तीन में एफपीआई नकद बाजार में शुद्ध खरीदार रहे।

भविष्य में क्रूज पर्यटन का आकर्षक बाजार बन सकता है भारत



मुंबई। भारत में क्रूज पर्यटन का बाजार आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छू सकता है। देश की 12,000 किलोमीटर की लंबी समुद्री तटरेखा और लोगों की तेजी से बढ़ती खर्च करने की क्षमता के बीच क्रूज यात्रा भारतीय पर्यटकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनकर उभर रही है। उद्योग के एक शीर्ष अधिकारी ने यह राय जताई है। अधिकारी ने कहा कि आज देश की करीब 20 करोड़ आबादी घरेलू क्रूज यात्रा का खर्च आसानी से उठा सकती है। यह संख्या दुनिया के सभी क्रूज जहाजों की कुल यात्री क्षमता का लगभग पांच गुना है। कॉर्डेलिया क्रूज के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जर्गेन बैलोम ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में दावा किया, ''कॉर्डेलिया क्रूज के घरेलू बाजार में आने से पहले हर साल करीब दो लाख भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रूज यात्रा करते थे, जबकि कंपनी अबतक करीब 10 लाख यात्रियों को यात्रा करवा चुकी है।'' उन्होंने कहा, ''13 से 14 प्रतिशत भारतीय आसानी से क्रूज पर्यटन का खर्च उठा सकते हैं। यह आंकड़ा 20 करोड़ बैठता है।'' 'क्रूज लाइन्स इंटरनेशनल एसोसिएशन' (सीएलआईए) के अप्रैल, 2026 में जारी 2025 के वैश्विक क्रूज यात्री आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन और आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया तथा कनाडा दुनिया के शीर्ष पांच क्रूज बाजारों में शामिल हैं। अमेरिका 2.06 करोड़ यात्रियों के साथ सबसे प्रमुख बाजार है। इसके बाद जर्मनी 28 लाख, ब्रिटेन और आयरलैंड 25-25 लाख, ऑस्ट्रेलिया 14.5 लाख और कनाडा 12.7 लाख का स्थान आता है। सीएलआईए की रैंकिंग में हालांकि भारत शीर्ष 10 बाजारों में शामिल नहीं है। बैलोम ने कहा, ''हमारा लक्ष्य 2032 तक भारत को दुनिया के पांच सबसे बड़े क्रूज बाजारों में शामिल करना है।'' बैलोम ने मुंबई तट के पास 'कॉर्डेलिया स्काई' पर संवाददाताओं से कहा कि कंपनी के पास वर्तमान में 'कॉर्डेलिया एम्प्रेस' और 'कॉर्डेलिया स्काई' दो क्रूज हैं। इसके अलावा कंपनी का तीसरा क्रूज 'कॉर्डेलिया सन' के भी जल्द बेड़े में शामिल होने की संभावना है। कॉर्डेलिया क्रूज का परिचालन करने वाली वॉटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''नए जहाज के शामिल होने से कंपनी की परिचालन क्षमता बढ़ेगी। इसके साथ ही मुंबई और कोच्चि से गोवा, लक्षद्वीप, मालदीव और श्रीलंका सहित विभिन्न घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर क्रूज सेवाओं का विस्तार होगा।'' कॉर्डेलिया क्रूज वॉटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

टू व्हीलर्स की बिक्री में 6 गुना की बढ़ोतरी

बेंगलुरू। अब पहले से कहीं ज़्यादा ग्राहक अमेज़न.इन पर अपने पसंदीदा टू-व्हीलर के बारे में रिसर्च कर रहे हैं, उनकी तुलना कर रहे हैं और उन्हें घर बैठे खरीद रहे हैं। ग्राहकों के बीच चेतक और एम्पीयर जैसे ईवी ब्रांड्स, हीरो मोटोकॉर्प और बजाज ऑटो जैसे भरोसेमंद भारतीय ब्रांड्स, और ट्रायम्फ व केटीएम जैसे प्रीमियम इंटरनेशनल ब्रांड्स सबसे लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरे हैं, जो यह दिखाता है कि टू-व्हीलर खरीदार अब तेज़ी से ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी का यह क्रेज सिर्फ बड़े मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि 60प्रतिशत से ज़्यादा टू-व्हीलर बिक्री नॉन-मेट्रो से आ रही है। इसमें मुख्य रूप से सूरत, कोटा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, प्रयागराज, नेल्लोर, वारंगल, अमृतसर, लुधियाना, बेलगावी, कानपुर और भीलवाड़ा जैसे शहर इसकी अगुवाई कर रहे हैं।

महिंद्रा फार्म इक्विपमेंट के निर्यात में 40 प्रतिशत की बढ़त

मुम्बई। महिंद्रा समूह की कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट बिजनेस ने आज अक्टूबर 2026 के ट्रैक्टर बिक्री के आंकड़े जारी किए। अक्टूबर 2026 में घरेलू बाजार में कंपनी ने 62,626 ट्रैक्टर बेचे, जबकि अक्टूबर 2025 में यह आंकड़ा 72,071 यूनिट था। इस तरह सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर 2026 में कुल ट्रैक्टर बिक्री, घरेलू और निर्यात मिलाकर 64,846 यूनिट रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 73,660 यूनिट बिकी थी। इस महीने निर्यात 2,220 यूनिट रहा, जो पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है।प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट बिजनेस के प्रेसिडेंट वीजय नाकरा ने कहा कि हमने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 62,626 ट्रैक्टर बेचे हैं। बिक्री में कमी का मुख्य कारण त्योहारी कैलेंडर में बदलाव है, क्योंकि पिछले साल दिवाली अक्टूबर में थी।जबकि इस साल नवंबर में है। निर्यात बाजार में हमने 2,220 ट्रैक्टर बेचे हैं।

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड के 30 साल पूरे

मुम्बई। एचडीएफसी लार्ज कैप फंड ने अक्टूबर 2026 में अपने 30 साल पूरे कर लिए हैं। यह एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना है जो मुख्य रूप से लार्ज कैप शेयरों में निवेश करती है। 1996 में शुरू होने के बाद से इस फंड ने 17.62 प्रतिशत सालाना चक्रवृद्धि दर से रिटर्न दिया है।30 सितंबर 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार फंड शुरू होने के समय किया गया 1 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश लगभग 130 गुना बढ़कर करीब 1.30 करोड़ रुपये हो गया है।

सूचना

मेरा कंप्यूटर साइंस ब्रांच वर्ष 2019 एनरोलमैंट नंबर P1643935500037 का डिप्लोमा प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। सोनालिका सिंह पुत्री कमला सिंह, सेंट मेरी कॉन्वेंट विद्यालय के पास हिनौली मुगल सराय जिला, चंदौली,यू.पी.

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SHAMIM ANSARI से बदलकर MOHD SHAMIM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-JAMAL AHMAD ADD-ABDULLAHPUR AKBARPUR DIST-AMBEDKAR NAGAR-224122(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम SALEEM KHAN से बदलकर SALIM KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।
S/0-ALI MURTJA KHAN
ADD-BANKATI, MAHADEWA SALARPUR, DARE KUIEYA, POST-DANDEY KUINYA, DIST-SHRAWASTI-271875(U.P)

सूचना

मैंने अपना नाम SIMA KHAN से बदल कर SEEMA KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।
W/O:MUKHTAR KHAN
R/O:CHAK BABURA SHAHAJI KA PURA NANI PRAYAGRAJ UTTAR PRADESH 211008

सूचना

मैंने अपना नाम QAYENAT BEGUM से बदल कर KAYNAT KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।
S/O:MUKHTAR KHAN
R/O:CHAK BABURA SHAHAJI KA PURA NANI PRAYAGRAJ UTTAR PRADESH 211008

सूचना

मैने अपना नाम SARFARAJ से बदलकर SARFARAZ KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SIRTAJ KHAN
R/0-581/356 FARUKHABAD CHILLAWA, SAROJINI NAGAR, DIST-LUCKNOW-226009(U.P)

सूचना

मैने अपना नाम TARIQUE ANSARI से बदलकर TARIQ MOHAMMED ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।
ADD-606, ROLEX ESTATE FAIZABAD ROAD, CHINHAT, KAMTA, PO-CHINHAT
DIST-LUCKNOW-226028(U.P)

सूचना

मैं, सौरभ कुमार पुत्र सुरेश चंद्र सिंह, निवासी 163/D, शिव नगर कॉलोनी,अब्बू सराय जिला अयोध्या का हूँ।मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम सौरभ कुमार सिंह (SAURABH KUMAR SINGH) दर्ज है।मैंने अपना नाम सौरभ कुमार (SAURABH KUMAR) से बदलकर सौरभ कुमार सिंह (SAURABH KUMAR SINGH) रख लिया है अब भविष्य में मुझे सौरभ कुमार सिंह (SAURABH KUMAR SINGH) के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

सूचना

मैं प्रज्ञा कुमारी शुक्ला पत्नी देवेंद्र नाथ मिश्रा, 6ए/114, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश की निवासी हूं। मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम प्रज्ञा मिश्रा (PRAGYA MISHRA) दर्ज है।मैंने अपना नाम प्रज्ञा कुमारी शुक्ला (PRAGYA KUMARI SHUKLA) से बदलकर प्रज्ञा मिश्रा (PRAGYA MISHRA) रख लिया है, अब भविष्य में मुझे प्रज्ञा मिश्रा (PRAGYA MISHRA) के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

सूचना

मैं, गिरीजा देवी, पत्नी शयम देव सिंह, निवासी ग्राम-दोन खुर्द, पोस्ट-दोन, जिला-सीवान (बिहार), यह घोषणा करती हूँ कि मेरे पुत्र सत्य प्रकाश सिंह आर्मी नंबर 3007836H, रैंक-हवलदार, यूनिट-14 राजपूत के सर्विस रिकॉर्ड (शीट रोल) में मेरा नाम (गिरजा देवी), और जन्म तिथि (01 जुलाई 1964) दर्ज है। मेरा वास्तविक नाम (गिरीजा देवी) है और सही जन्म तिथि (01 जनवरी 1960) है। इस संबंध में सीवान (बिहार) के नोटरी के समक्ष शपथ-पत्र संख्या IN-BR--2601748995 (दिनांक 14 अगस्त 2026) प्रस्तुत है।

सूचना

मैं, शयम देव सिंह, स्वर्गीय शुभ नारायण सिंह का पुत्र, निवासी ग्राम-दोन खुर्द, पोस्ट-दोन, जिला-सीवान (बिहार), यह घोषित करता हूँ कि मेरे पुत्र सत्य प्रकाश सिंह आर्मी नंबर 3007836H, रैंक-हवलदार, यूनिट-14 राजपूत के सर्विस रिकॉर्ड (शीट रोल) में मेरा नाम (श्याम देव सिंह) और जन्म तिथि 01 जुलाई 1959 दर्ज है। मेरा वास्तविक नाम (शयम देव सिंह) है और सही जन्म तिथि 01 जुलाई 1954 है। इस संबंध में सीवान (बिहार) के नोटरी के समक्ष शपथ-पत्र संख्या IN-BR-2601749002 (दिनांक 14 अगस्त 2026) तैयार किया गया है।

सूचना

I. Sardar Kartar Singh S/o Sardar Balvir Singh R/o 15 -E - 2 Badshah Nagar Railway Colony -3, Mahanagar, Lucknow, Uttar Pradesh - 226006 declare that the name of mine and my minor daughter have been wrongly written as Sardar Katrar Singh and Parminder Kaur in birth Certificate of my minor daughter Parmindar Kaur Age 13 years. The actual name of mine and my minor daughter are Sardar Kartar Singh and Parmindar Kaur respectively which may be amended accordingly.

मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में 'द किरण बेदी स्कॉलरशिप' की घोषणा

मुम्बई। मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी डॉ. किरण बेदी का स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स, पेरेंट्स, फैकल्टी मेंबर्स और महिला पुलिस अधिकारियों के साथ लीडरशिप, एथिक्स और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर बातचीत की।

जीएसटी उल्लंघनों को गैर-आपराधिक बनाने का फैसला भरोसे पर आधारित शासन के लिए मिसाल

नयी दिल्ली। उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद के कुछ अपराधों को गैर-आपराधिक बनाने और प्रवर्तन संबंधी अधिकारों को तर्कसंगत बनाने का फैसला एक महत्वपूर्ण संस्थागत सुधार है। इससे भरोसे पर आधारित आर्थिक शासन की दिशा में बदलाव का संकेत मिलता है और भारत में आर्थिक सुधारों के अगले चरण के लिए एक मॉडल तैयार होता है। सीआईआई ने कहा कि जीएसटी परिषद की आठ अक्टूबर को हुई बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए फैसले दिखाते हैं कि केंद्र और राज्य सरकारें कारोबारियों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कठिन सुधारों पर मिलकर काम कर सकती हैं। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, ''जीएसटी परिषद के फैसले एक ऐतिहासिक संस्थागत सुधार के रूप में विशेष सराहना के पात्र हैं। हम इस बदलाव को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व की सराहना करते हैं। साथ ही, प्रवर्तन, राजस्व संरक्षण और करदाताओं के अधिकारों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर आम सहमति बनाने में राज्य सरकारों की रचनात्मक भूमिका की भी सराहना करते हैं।'' बनर्जी ने कहा कि इस तरह के बुनियादी बदलावों पर सहमति बनाना सहकारी संघवाद की एक बड़ी उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि केंद्र और राज्य सरकारें वैध कारोबार को अधिक भरोसा देने के लिए पुरानी नियामकीय व्यवस्थाओं पर फिर से विचार करने को तैयार हैं। जीएसटी परिषद ने आठ अक्टूबर को हुई अपनी 57वीं बैठक में जीएसटी कानून के तहत कुछ मामलों में गिरफ्तारी के प्रावधान हटाने, अभियोजन के लिए कर चोरी की सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने, केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिनियम की धारा 132 के तहत कुछ निर्दिष्ट अपराधों का दायरा सीमित करने और कारावास के प्रावधानों को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की थी। इन सिफारिशों में सजा तय करने के मामले में न्यायिक विवेकाधिकार बढ़ाने का भी प्रावधान है। इसके तहत केवल जुर्माना लगाने का विकल्प देने और न्यूनतम छह महीने की कैद की अनिवार्यता हटाने की बात कही गई है। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य वास्तविक कारोबारी विवादों और प्रक्रियागत चूकों को जानबूझकर की गई कर धोखाधड़ी तथा कर चोरी से अलग करना है। इन्हें लागू करने के लिए संबंधित कानूनों में जरूरी संशोधन करने होंगे। सीआईआई ने कहा कि इन बदलावों से विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और पहली पीढ़ी के उद्यमियों को लाभ होगा। इससे असंगत आपराधिक दंड के कारण पैदा होने वाली अनिश्चितता, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का जोखिम, कानूनी खर्च और प्रबंधन संबंधी बाधाएं कम होंगी। बनर्जी ने कहा, ''इस सुधार का महत्व केवल इतना नहीं है कि प्रवर्तन के कुछ अधिकार वापस लिए जा रहे हैं। महत्वपूर्ण यह है कि जीएसटी परिषद ने माना है कि प्रभावी कर प्रशासन के लिए आपराधिक कार्रवाई की धमकी पर निर्भर रहना जरूरी नहीं है। हाल के वर्षों में भरोसे पर आधारित शासन की दिशा में यह सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है, खासकर इसलिए कि जीएसटी का दायरा अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव वैध कारोबार और आधुनिक कर प्रशासन की उस क्षमता में विश्वास को दर्शाता है, जिसके जरिये बेहतर सूचना, प्रौद्योगिकी और लक्षित प्रवर्तन के माध्यम से राजस्व की रक्षा की जा सकती है। उद्योग जगत को नियामकीय सोच में आए इस बदलाव के महत्व को समझना चाहिए। सीआईआई ने यह भी कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की 26 अक्टूबर को जारी परिपत्रों में पंजीकरण, नोटिस और निर्णय प्रक्रिया से जुड़ी व्यावहारिक चिंताओं को दूर किया गया है। इनमें धोखाधड़ी के आरोपों को साक्ष्यों से साबित करने, कर नोटिस में अधिक स्पष्टता रखने और तर्कसंगत आधार पर निर्णय सुनिश्चित करने की जरूरत शामिल है। उसने कहा कि इन उपायों के साथ ही जीएसटी परिषद के तेजी से रिफंड देने, इनपुट टैक्स क्रेडिट और अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाने संबंधी फैसलों से कार्यशील पूंजी का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा, अनावश्यक विवाद कम होंगे और कर प्रशासन में स्थिरता आएगी। हालांकि, इनका पूरा लाभ विभिन्न राज्यों में एकसमान क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। बनर्जी ने कहा, ''भरोसे पर आधारित शासन का मतलब प्रवर्तन को कमजोर करना नहीं है। इसका मतलब प्रवर्तन को अधिक सटीक, निष्पक्ष और प्रभावी बनाना है। जीएसटी लागू होने के करीब एक दशक बाद भारत के डिजिटल कर ढांचे, ई-चालान, इलेक्ट्रॉनिक रिटर्न और आंकड़ों के विश्लेषण की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। इससे जानबूझकर की जाने वाली कर चोरी की पहचान करना और उसके खिलाफ लक्षित कार्रवाई करना संभव हुआ है।

'निष्क्रिय' कंपनियों को शेयर बाजार से हटाने के लिए काम कर रहा है सेबी



कोलकाता। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ऐसी सूचीबद्ध कंपनियों को शेयर बाजार से हटाने के लिए काम कर रहा है, जो वास्तव में किसी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में शामिल नहीं हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी कंपनियों की बाजार में मौजूदगी निवेशकों के लिए संभावित खतरा बन सकती है। पांडेय ने कहा कि शेयर बाजार में कई ऐसी कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनकी कोई वास्तविक कारोबारी गतिविधि नहीं है। इन कंपनियों के शेयरों का इस्तेमाल कुछ बाजार संचालक कीमतों में कृत्रिम तेजी लाने और बाद में शेयर बेचकर मुनाफा कमाने यानी 'पंप एंड डंप' गतिविधियों के लिए करते हैं। इससे छोटे और खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी कंपनियों को बाजार से हटाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाजार की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सेबी इस दिशा में प्रयास कर रहा है। सोशल मीडिया और विभिन्न ऑनलाइन समूहों के माध्यम से निवेशकों को ऐसे शेयरों में फंसाए जाने का जोखिम बना रहता है। इससे निपटने के लिए सेबी कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का इस्तेमाल कर संदिग्ध खातों और गतिविधियों की निगरानी कर रहा है। निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं। लघु एवं मझोला उद्यम (एसएमई) कंपनियों की सूचीबद्धता व्यवस्था पर पांडेय ने कहा कि नियामक ने इस ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने के लिए परामर्श पत्र के माध्यम से कई बदलाव प्रस्तावित किए हैं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पुरानी सूचीबद्ध कंपनियों में से कुछ अब भी चिंता का विषय बनी हुई हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के संदर्भ में पांडेय ने कहा कि नियामक आने वाले कुछ सप्ताह में एक और परामर्श पत्र जारी कर सकता है। इसमें खासतौर पर खुलासा संबंधी नियम और एक ही जगह निवेश या जोखिम की सीमा संबंधी प्रस्ताव को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया के विभिन्न बाजारों में निवेश करते हैं और उनके निवेश संबंधी फैसले डॉलर के लिहाज से कर-बाद रिटर्न पर निर्भर करते हैं। कंपनियों की कमाई की संभावनाएं, नए क्षेत्रों का विकास, मुद्रा विनिमय दरों में बदलाव, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें और वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल भी उनके निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। पांडेय के अनुसार, सेबी का प्रयास भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों के लिए पंजीकरण से लेकर निवेश जारी रखने तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल और सुगम बनाना है। सेबी के इन प्रयासों का उद्देश्य एक ओर निष्क्रिय और संदिग्ध कंपनियों पर अंकुश लगाना है, वहीं दूसरी ओर विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के साथ भारतीय पूंजी बाजार की पारदर्शिता और भरोसे को मजबूत करना है।

जम्मू हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की कवायद तेज

जम्मू। जम्मू हवाई अड्डे ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू करने की व्यवहार्यता और तैयारियों का आकलन करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में शनिवार को हवाई अड्डे के निदेशक देवेंद्र यादव की अध्यक्षता में एक योजना एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें एयरलाइन कंपनियों, सुरक्षा एवं नियामक एजेंसियों, सरकारी विभागों, पर्यटन संगठनों और अन्य संबंधित पक्षों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जम्मू हवाई अड्डे के प्रवक्ता के अनुसार, बैठक में संभावित अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों, यात्रियों की मांग, परिचालन संबंधी आवश्यकताओं और जम्मू को वैश्विक हवाई संपर्क से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

कोस्मो फर्स्ट लेकर आए पीवीसी फ्री ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स

नई दिल्ली। कोस्मो फर्स्ट अपने कोस्मो फिल्म्स बिज़नेस के माध्यम से, अयोध्या में लेकर आए हैं ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स- जो व्यवसायों, प्रिंटरों और साइनबोर्ड निर्माताओं को पारंपरिक पीवीसी-आधारित ग्राफिक फिल्मों का पीवीसी-मुक्त विकल्प प्रदान करती हैं। विज़ुअल अपील और मटीलियल इनोवेशन के संयोजन से डिज़ाइन किया गया यह प्रोडक्ट ऐसे ब्रांडिंग समाधानों की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करता है, जो गुणवत्ता और प्रत्यास्थता के साथ ग्राफिक्स के ज़िम्मेदार विकल्प प्रदान करें। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, कोस्मो फिल्म्स के ग्लोबल बिजनेस हेड, कुलभूषण मलिक ने कहा आजकल व्यवसाय केवल ब्रांडिंग मटीरियल के विज़ुअल अपील के दायरे से बढ़कर, इसकी बनावट, कार्यक्षमता और सस्टेनेबिलिटी को भी ध्यान में रखते हैं। ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स के साथ, हम मार्केट में एक नया और पीवीसी-रहित विकल्प ला रहे हैं जो प्रिंट की बेहतरीन गुणवत्ता, लाईटवेट में कई फिनिश के विकल्प पेश करता है। इस समय ज़्यादातर व्यवसाय दिवाली की तैयारियों में जुटे हैं, ऐसे में वे विज़ुअल अपील के साथ कोई समझौता किए बिना त्योहारों के दौरान प्रमोशन के लिए नए-नए विकल्प आज़माना चाहते हैं।

ड्रोन शो में इंद्रिया के गोल्डन गजेल की आकृति प्रदर्शित

लखनऊ। आदित्य बिरला ज्वेलरी के ब्रांड इंद्रिया ने दिवाली के मौके पर लुलु मॉल के निकट लीजर पार्क में एक अनोखे ड्रोन शो का आयोजन किया। शाम हुए इस शो में इंद्रिया की पहचान बन चुके गोल्डन गजेल (सुनहरे हिरण) की आकृति आसमान में उभरी। रोशनी से जगमगाते इस नजारे ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और शहर के आसमान को त्योहार के एक यादगार अनुभव में बदल दिया। इस ड्रोन शो में इंद्रिया ने अपने हाल ही में लॉन्च किए गए फेस्टिव ज्वेलरी कलेक्शन 'पद्मिका' की झलक भी लखनऊ के आसमान में दिखाई। कलेक्शन के प्रमुख डिजाइन और मोटिफ रोशनी के जरिए बिल्कुल नए अंदाज में पेश किए गए। त्योहारों के लिए खास तौर पर तैयार यह ड्रोन शो एक इनोवेटिव कोशिश थी, जिसका मकसद त्योहारी सीजन के विज्ञाप